

सावित्रीबाई फुले जयंती

चर्चा में क्यों?

हरियाणा के मुख्यमंत्री 3 जनवरी, 2024 को **समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले** की जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में भाग लेने के लिये बहादुरगढ़ का दौरा करने जा रहे हैं।

मुख्य बंदि

- अधिकारियों को नरिदेशः
- सभी वभिगीय अधिकारियों को समय पर एवं ज़मिमेदारी के साथ तैयारियां पूरी करने के नरिदेश दयि गए।
- अधिकारियों को क्षेत्त्र में **अतकिरमण** हटाने और **सफाई वयवस्था** बढाने के नरिदेश दयि गए।

//

सावित्रीबाई फुले

(03 जनवरी, 1831 - 10 मार्च, 1897)

19वीं सदी की एक प्रमुख समाज सुधारक जिन्होंने महिला शिक्षा के क्षेत्र में काम किया

आरंभिक जीवन

- जन्म माली समुदाय में (महाराष्ट्र)
- 9 वर्ष की आयु में 13 वर्षीय ज्योतिराव फुले के साथ विवाह- भारत के सामाजिक और शैक्षिक इतिहास में एक असाधारण युगल

सामाजिक योगदान

- व्यक्तिगत
 - काव्य फुले (1854) और बावन काशी सुबोध रत्नाकर (1892) का प्रकाशन
 - वर्ष 1852 में महिलाओं के अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये 'महिला सेवा मंडल' की शुरुआत
 - वंचित समुदायों के लिये 'गो, गेट एजुकेशन' कविता की रचना
 - ज्योतिबा की मृत्यु (1890) के बाद सत्यशोधक समाज को आगे बढ़ाया



ज्योतिबा के साथ

- 1848 में पूना में लड़कियों, शूद्रों और अति-शूद्रों के लिये एक स्कूल शुरू किया (महिलाओं के लिये भारत का पहला स्कूल जिसे भारतीयों द्वारा शुरू किया गया)
- 1850 के दशक में नेटिव फीमेल स्कूल (पुणे) और सोसायटी फॉर प्रमोटिंग दि एजुकेशन ऑफ महार्स एंड मॉग्स की शुरुआत
- अपने ही घर में बालहत्या प्रतिबंधक गृह की शुरुआत

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/savitribai-phule-birth-anniversary>

